

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC)

सत्रीय कार्य

(जुलाई 2026 और जनवरी 2027 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.पी.सी.एस.-186

पाठ्यक्रम नाम : तनाव प्रबंधन



मनोविज्ञान संकाय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

सत्रीय कार्य
2025-2026

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है कि इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता है: i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक तथा सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक निर्धारित है (कुल अंक 100)

बी.पी.सी.एस.- 186, 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए निम्नलिखित अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए) करने होंगे।

सत्रीय कार्य_I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के जैसे प्रस्तावना एवं उपसंहार के साथ लिखने होंगे। इसका उद्देश्य आपको विषय से संबंधित समझ / ज्ञान का वर्णन करने की क्षमता, ससगता और सुस्पष्ट तरीके को जांचना है।

सत्रीय कार्य_II में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। यह प्रश्न व्यक्तियों, लेखन, घटनाओं तथा अवधारणाओं और प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के विषय में प्रासंगिक / सटीक जानकारी को संक्षेप में स्मृति में रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए है।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द-सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिए कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा, तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तिथि*	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
------	--------------------------------	--------------------------------

जुलाई 2026 एवं जनवरी 2027	31 मार्च, 2027 एवं 30 सितम्बर 2027	पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।

• विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.ignou.ac.in) पर सत्रीय कार्य जमा करने की तिथि देखिए

• आपको सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अन्दर जमा करने होंगे, जिससे आप सत्रांत परीक्षा दे सकें।

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिए। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें। मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। पूर्ण किये हुए सत्रीय कार्य आपको प्रदान किये गये अध्ययन केन्द्र के संयोजक को ही भेजने होते हैं

सत्रीय कार्य लिखने से पहले नीचे दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक अनुकरण करें:

1. आपके लिए नीचे दिए गये तथ्यों पर ध्यान केन्द्रित करना उपयोगी साबित होगा

- a) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।
- b) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :
 - (i) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;
 - (ii) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है, तथा
 - (iii) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।
- c) **प्रस्तुतीकरण:** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ_साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हो, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द_सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

2. अपने उत्तर लिखने के लिए A4 साइज पेपर का प्रयोग करें और सभी पेजों को ध्यानपूर्वक टैग करें। बायीं ओर 4 सेमी का हाशिया और दो उत्तरों के बीच कुछ जगह छोड़े। उपयुक्त जगहों पर छोड़े गये हाशिया में उपयुक्त टिप्पणी करने के लिए शैक्षणिक परामर्शदाता (academic counselor) को सुविधा होगी।
3. उत्तर आपकी स्वयं की लिखावट में चाहिए। अपने उत्तरों को टाइप या प्रिंट न करें। विश्वविद्यालय द्वारा भेजे गये अध्ययन सामग्री से अपने उत्तर की नकल न करें। अगर आप अध्ययन सामग्री से नकल करते हैं तो आपको शून्य अंक मिलेंगे
4. आपको सत्रीय कार्य की एक प्रति पूर्ण किए सत्रीय कार्य के साथ इसे जमा करने से पहले संलग्न करनी होगी।
5. अगर आपने अध्ययन केन्द्र परिवर्तित के लिए निवेदन किया हुआ है, तो आपको सत्रीय कार्य, मूल अध्ययन केन्द्र में ही जमा करना चाहिए जब तक कि आपको विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केन्द्र के बदलने की सूचना ना मिल जाये।
6. अगर आपको अपने सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के पश्चात् कोई वास्तविक त्रुटि मिलती है। जैसे सत्रीय कार्य का कोई हिस्सा का मूल्यांकन नहीं हुआ हो या कुल अंक जो सत्रीय कार्य पर गलत अंकित है, आदि। ऐसी त्रुटियों के सुधार के लिए और मुख्यालय में सही अंको को भेजने के लिए, अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक से संपर्क करें शुभकामनाओं के साथ,

मनोविज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू नई दिल्ली

**बी.पी.सी.एस.- 186 तनाव प्रबंधन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य**

पाठ्यक्रम कोड: BPCS-186

सत्रीय कार्य कोड बी.पी.सी.एस. 186 / ए.एस.एस.टी./TMA /जुलाई 2026-जनवरी 2027

अधिकतम अंक: 100

नोट: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक नियत हैं।

3x20=60

1. तनाव के प्रमुख प्रतिरूपों (Models) की चर्चा कीजिए। स्पष्ट कीजिए कि विभिन्न प्रतिरूप तनाव तथा तनाव के प्रति होने वाली प्रतिक्रियाओं को समझने में किस प्रकार योगदान देते हैं।
2. शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य पर तनाव के प्रभावों की चर्चा कीजिए। स्पष्ट कीजिए कि दीर्घकालिक तनाव व्यक्ति के समग्र कल्याण को किस प्रकार प्रभावित कर सकता है।
3. सामना करने (Coping) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। तनाव के प्रबंधन हेतु व्यक्तियों द्वारा अपनाई जाने वाली विभिन्न सामना करने की शैलियों (Coping Styles) पर चर्चा कीजिए।

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित संक्षिप्त श्रेणी के प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक नियत हैं।

8x5= 40

4. कुंठा (Frustration), द्वंद्व (Conflict) तथा दबाव (Pressure): तनाव के प्रमुख स्रोत।
5. पूर्णतावाद (Perfectionism): तनाव प्रवणता में योगदान देने वाला एक प्रमुख कारक।
6. बायोफीडबैक (Biofeedback): तनाव प्रबंधन की एक तकनीक।

7. संज्ञानात्मक पुनर्संरचना (Cognitive Restructuring): तनाव प्रबंधन की एक तकनीक।
8. तनाव न्यूनीकरण में समय प्रबंधन का महत्व।
9. तनाव प्रबंधन में आत्म-जागरूकता (Self-Awareness) की भूमिका।
10. तनाव के अनुभव को नियंत्रित करने वाले कारक।
11. स्वस्थ पारस्परिक संबंधों को बनाए रखने में संघर्ष समाधान (Conflict Resolution) की भूमिका।